मुहावरे

भाषा भावों एवं विचारों को आदान-

प्रदान करने का माध्यम है। अपनी बातों को प्रभावशाली ढ़ंग से व्यक्त करने के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है। मुहावरों के प्रयोग से कई बार साधारण अर्थ वाले शब्दों को भी विशेष अर्थ में प्रकट किया जा सकता है;

जैसे -

<u>हाथ मलना</u> :- (पछताना) समय निकल जाने पर हाथ मलने से कोई फायदा नहीं है।

1. **अक्ल पर पत्थर पड़ना** :- (मुर्खता करना) शत्रु के पास स्वयं क्यों जा रहे हो क्या अक्ल पर पत्थर पड़ा हुआ है।

2. अक्ल का दुश्मन :- (मुर्ख) उसे समझाने से कोई फायदा नहीं है, वह अक्ल का दुश्मन है।

3. अगर-मगर करना :- (बहाना बनाना) जो पूछ रहा हूँ उसका सीधे से जवाब दो। इस तरह अगर-मगर करके बात को टाल क्यों रहे हो।

4. अंधे की लाठी :- (एक मात्रा सहारा) राहुल अपने बूढ़े माता-पिता के लिए अंधे की लाठी है।

5. अँगूठा दिखाना :- (समय पड़ने पर मना कर देना) वैसे तो तुम मेरे सबसे अच्छे दोस्त बने फिरते हो पर समय आने पर तुमने भी मुझे अँगूठा दिखा दिया।

6. अंग-अंग मुस्कुराना :- (अति प्रसन्न होना) परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने की खबर पाकर मेरा अंग-अंग मुस्कुराने लगा।

7. अपनी खिचड़ी अलग पकाना :- (सबसे अलग रहना) वह अपनी खिचड़ी अलग ही पकाता है, तुम्से बात भी नहीं करेगा।

8. अपने मुँह मिया मिट्ठू बनाना :- (अपनी तारीफ स्वयं करना) अपने मुँह मिया मिट्ठू बनाना अच्छी बात नहीं होती है।

9. अपना सा मुँह लेकर रह जाना :- (लज्जित होना) राम के बात के गलत साबित हो जाने से वह अपना सा मुँह लेकर रह गया।

10. आकाश पाताल एक करना :- (बहुत परिश्रम करना) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए मैंने आकाश पाताल एक कर दिया।

11. अपने पैरों पर खड़ा होना :- (दुसरों पर अश्रित न रहना) पढ़ाई पूरी होने के बाद वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

12. आकाश-पाताल का अन्तर :- (बहुत अधिक अन्तर होना) दोनों बहनों के स्वभाव में आकाश-पाताल का अन्तर है।

13. अपने पैरों पर कुल्हारी मारना :- (स्वयं अपना नुकसान करना) उससे दुश्मनी कर के तुमने अपने पैरों पर स्वयं कुल्हारी मार ली।

14. आसमान पर चढ़ना :- (घमंड करना) परीक्षा मे प्रथम स्थान पाने के कारण राहुल जैसे आसमान पर ही चढ़ा गया है।

15. आड़े हाथों लेना :- (खरी-खोटी सुनाना) देर से घर पहुँचते ही माँ ने मुझे आड़े हाथों लिया।

16. आपे से बाहर होना :- (क्रोध में सुध-बुध खो देना) शोभा के गलत शब्द सुनकर उसके पिताजी गुस्से में आपे से बाहर हो गए।

17. अँगूठा दिखाना :- (मना करना) अपने मित्र से मैंने खिलौने माँगे तो उसने मुझे अँगुठा दिखा दिया।

18. आँसू पोछना :- (दिलासा देना) हमारा मित्र दु:खी है इस समय हमें उसके आँसू पोछने चाहिए।

19. आग में घी डालना :- (क्रोध को भड़काना) दोनों मित्रों की लड़ाई में तुमने आग में घी डालने का काम किया।

20. आँखों पर पर्दा पड़ना :- (सही-गलत नहीं समझ पाना) तुम्हारी आँखो पर पर्दा पड़ा हुआ है इसलिए तुम्हें अपने बेटे की गलतियाँ नहीं दिख रही है।

21. आँख खुलना :- (सच्चाई का पता चलना) अपने मित्र से धोखा खाने के बाद ही उसकी आँखें खुली।

22. आँखें चुरा लेना :- (अनदेखा करना) तुम्हारे बुरे वक्त में मैंने तुम्हारा साथ दिया और आज जब मुझे ज़रुरत पड़ी तो तुम मुझसे आँखें चुरा रहे हो।

23. आँखों से ओझल होना :- (गायब होना) संध्या के समय देखते ही देखते सूरज आँखों से ओझल हो गया।

24. आँखों में धूल झोंकना :- (धोखा देना) चोर पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भाग गया।

25. उँगली उठाना :- (गलती दिखाना) अच्छे लोगों पर कोई भी बिना कारण उँगली भी नहीं उठा सकता है।

26. उन्नीस बीस का अन्तर होना :- (बहुत कम अन्तर होना) दोनों भाइयों के चेहरे में बस उन्नीस बीस का अन्तर है।

27. उल्टी गंगा बहाना :- (कठिन कार्य करना) तुम्हारें लिए परिक्षा में पास होना उल्टी गंगा बहाने के समान है।

28. उँगली उठाना :- (दोष देना) सबूत नहीं होने पर किसी पर उँगली नहीं उठानी चाहिए।

29. इधर-उधर की हाँकना :- (व्यर्थ की बात करना) इधर-उधर की बात मत करो, अपने काम पर ध्यान दो।

30. ईंट से ईंट बजाना :- (नष्ट कर देना) युद्ध में भारतीय सैनिकों ने दुश्मनों की ईंट से ईंट बजा दी।

31. ईंद का चाँद होना :- (बहुत दिनों बाद दिखना) तुम तो ईंद का चाँद हो गए हो, काफी दिनों से मिले नहीं।

32. कान भरना :- (भड़काना, चुगली करना) राहुल ने अपने मित्र के खिलाफ़ आफिस के अधिकारी के कान भरे इसलिए उसे आफिस से निकाल दिया गया।

33. कलम तोड़ना :- (अधिक लिखना) रवि ने इम्तिहान में बिल्कुल कलम तोड़ कर लिखा है।

34. कलेजा मुँह को आना :- (बहुत दु:खी होना) अपने इकलौते पुत्र को विदा करते समय माँ का कलेजा मुँह को आ गया।

35. कोल्हू का बैल :- (दिन-रात अधिक काम करना) गरीब लोग दिन-रात कोल्हू के बैल की तरह काम करते रहते हैं। फिर भी धनी लोग उनकी पूरी मज़दूरी नहीं देते हैं।

36. कीचड़ उछालना :- (अपमानित करना) तुम्हें बिना बात के किसी के ऊपर कीचड़ उछालना नहीं चाहिए था।

37. काया पलट होना :- (एकदम बदल जाना) शहर जाकर तो इस गँवार रामू की काया पलट गई।

38. कलई खुलना :- (भेद खुलना) कल स्कूल में झूठ बोलकर छुट्टी ली थी परन्तु आज सबके सामने मेरी कलई खुल गई और मुझे सज़ा दी गई।

39. कोरा जवाब देना :- (साफ़ इन्कार कर देना) कल मैंने शोभा से कुछ पैसे उधार माँगे तो उसने कोरा जवाब दे दिया।

40. कमर कसना :- (तैयार होना) इम्तिहान पास आ रहा है उसकी तैयारी करने के लिए कमर कस के मेहनत करनी होगी।

41. कलेजे क टुकड़ा :- (बहुत प्रिय) इकलौता बेटा होने के कारण वह अपने माता पिता के कलेजे का टुकड़ा है।

42. कफन सिर पर बाँधना :- (मरने को तैयार रहना) सैनिक युद्ध में कफन सिर पर बाँध कर चलते हैं।

43. कटे पर नमक छिड़कना :- (दु:खी व्यक्ति को और दु:ख देना) वह बहुत दु:खी है तुम उसके कटे पर नमक मत छिड़को।

44. कमर टूटना :- (हिम्मत टूटना) इतना परिश्रम करने के बावजूद असफल होने से मानों उसकी कमर ही टूट गई है।

45. कान का कच्चा होना :- (चुगली पर ध्यान देना) रोहित अच्छा लड़का है पर कान का कच्चा है।

46. कान पर जूँ न रेंगना :- (किसी बात पर ध्यान न देना) इतना समझाने के बाद भी तुम्हारे कान पर जूँ तक नहीं रेंगती है।

47. खटाई में पड़ना :- (मुसीबत में पड़ना, उलझन में पड़ना) नए शहर में अनजाने लोगों के बीच रहने से तुम तो खटाई में पड़ गए।

48. ख्याली पुलाव पकाना :- (बड़े-बड़े सपने देखना) अब ख्याली पुलाव पकाना बंद करो और कुछ काम भी कर लो।

49. खून का प्यासा होना :- (जान लेने पर उतर जाना) धन-सम्पत्ति के लालच के कारण दोनों सगे भाई एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए।

50. खून का घूँट पीकर रह जाना :- (गुस्सा सहन कर लेना) भरी सभा में अपमानित होकर भी राजा युधिष्ठिर खून का घूँट पीकर रह गए।

51. खरी-खोटी सुनाना :- (भला-बुरा कहना) राहुल ने मोनू को खूब खरी-खोटी सुनाई।

52. खून पसीना एक करना :- (कठिन परिश्रम करना) परीक्षा में प्रथम स्थान पाने के लिए मैंने खून पसीना एक कर दिया।

53. गाल बजाना :- (तर्क करना) उसकी बातों पर ध्यान मत दो, उसकी तो आदत है गाल बजाने की।

54. गागर में सागर भरना :- (कम शब्दों में अधिक कहना) बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।

55. गड़े मुर्दे उखाड़ना :- (बीती बातों को याद करना) गड़े मुर्दे उखाड़ने से कोई फायदा नहीं है, उन्हें भूल जाओ।

56. गुड़-गोबर होना :- (बनती बात बिगड़ जाना) तुम्हारी बेबकूफी के कारण सारा गुड़-गोबर हो गया।

57. एक ही लकड़ी से हाँकना :- (सबके साथ एक समान व्यवहार करना) कौन छोटा है, कौन बड़ा है तुम्हें इतना भी ध्यान नहीं रहता है सबको एक ही लकड़ी से हाँकते हो।

58. घर में गंगा बहना :- (सभी सुविधाएँ उपलब्ध होना) कॉलेज में दाखिला लेने के लिए तुम्हें कोई परिश्रम नहीं करना पड़ेगा क्योंकि तुम्हारे मामा जी कॉलेज के प्रोफेसर हैं, तुम्हारी तो घर में ही गंगा बहती है।

59. घाट-घाट का पानी पीना :- (सभी जगह या क्षेत्र का अनुभव होना) तुम्हें हर क्षेत्र की जानकारी है, तुमने तो घाट-घाट का पानी पीया है।

60. घाव हरा होना :- (पुराना दु:ख याद होना) तुम्हें देखकर मेरे घाव फिर से हरे हो गए।

61. घुटने टेकना :- (हार मानना) भारतीय सेना के सामने शत्रु सेना ने अपने घुटने टेक दिए।

62. घी के दिये जलाना :- (अधिक खुश होना) बहुत दिनों के बाद बेटे के सकुशल घर लौट जाने पर माँ ने घी के दिये जलाए।

63. घर सिर पर उठाना :- (बहुत शोर करना) बच्चों ने पूरे घर को सिर पर उठा लिया है।

64. घाव पर नमक छिड़कना :- (दु:खी को और कष्ट देना) उससे ज़्यादा पूछ ताछ करके तुम उसके घाव पर नमक मत छिड़को।

65. चूड़ियाँ पहनना :- (कायर बनना) पहलवान होकर भी यदि तुम इस छोटो से आदमी को नहीं हरा सकते तो तुम्हें चूड़ियाँ पहन लेनी चाहिए।

66. चैन की नींद सोना :- (निश्चित होना) परीक्षा के बाद विद्यार्थी चैन की नींद सोते हैं।

67. छक्के छुड़ाना :- (बुरी तरह हराना) भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तानी टीम के छक्के छुड़ा दिए।

68. चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना :- (भयभीत होना) पकड़े जाने पर चोर के चेहरे की हवाइयाँ उड़ गई।

69. चादर से बाहर पैर फैलाना :- (हैसियत से अधिक खर्च करना) बेटी की शादी में उसने अपने पैर चादर से बाहर फैला कर खर्च किया।

70. छाती पर साँप लोटना :- (दूसरे की तरक्की देखकर जलना) अपने मित्र की सफलता देखकर राहुल की छाती पर मानो साँप लोटने लगे।

71. छठी का दूध याद आना :- (कठिनाई में पड़ना) पहलवान से लड़ते समय कुश को छठी का दूध याद आ गया।

72. छाती पर साँप लोटना :- (ईर्ष्या (जलन) होना) राहुल ने इतना अच्छा मकान बना लिया है इसलिए उसके पड़ोसियों के छाती पर साँप लोट रहा है।

73. छोटा मुँह बड़ी बात :- (अपनी हैसियत से अधिक बोलना) छोटा मुँह बड़ी बात करने से पहले अच्छी तरह सोच लेना नहीं तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

74. ज़मीन पर पाँव न पड़ना :- (घमंड होना) रूपा अपने आप को बहुत सुन्दर समझती है इसलिए उसके पाँव ज़मीन पर नहीं पड़ते।

75. जान पर खेलना :- (खतरा उठाना) देश को आंतकवादियों से बचाने के लिए वह सैनिक जान पर खेल गया।

76. ज़मीन पर पाँव न पड़ना :- (घमंड होना) अधिक तरक्की हो जाने से उसके पैर ज़मीन पर नहीं पड़ रहे हैं।

77. ज़हर उगलना :- (कड़वी बातें करना) कम से कम अपनो से बड़ो के सामने कभी ज़हर नहीं उगलना चाहिए।

78. जूतियाँ चटकाना :- (इधर-उधर बेकार फिरना) इस तरह सिर्फ़ जूतियाँ चटकाने से कुछ नहीं होगा तुम्हें कुछ काम करना चाहिए।

79. झक मारना :- (समय को व्यर्थ करना) नौकरी से निकाल दिए जाने के बाद वह सारा दिन झक मारता फिरता है।

80. टाँग अड़ाना :- (विघ्न डालना) अच्छे काम में टाँग अड़ाना तुम्हारी पुरानी आदत है।

81. टोपी उछालना :- (बेइज़्जत करना) भरी सभा में चाँदनी ने सलमान की टोपी उछाल दी।

82. ठन-ठन गोपाल :- (कंगाल होना) आजकल उसकी आर्थिक हालत बिलकुल ठीक नहीं है, वह ठन-ठन गोपाल है।

83. ठोकरे खाना :- (हर तरफ से कष्ट उठाना) नौकरी के लिए शोभित इधर-उधर की ठोकरे खा रहा है।

84. डूब मरना :- (लज्जित होना) इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी तुम इतने साधारण से सवाल का ज़वाब नही दे पाए, तुम्हें तो डूब मरना चाहिए।

85. ताक में रहना :- (मौके की तलाश करना) आज बच्चे बस इसी ताक में हैं कि कब उन्हें खेलने का मौका मिलें।

86. तूती बोलना :- (अधिक प्रभाव (यश) होना) कक्षा में प्रथम स्थान पाने से पूरी कक्षा में नेहा की तूती बोलती है।

87. थाली का बैंगन :- (किसी एक पक्ष में न रहना) तुम तो थाली के बैंगन हो जिधर का पलड़ा भारी होता है उसी तरफ़ हो लेते हो।

88. घोड़ें बेचकर सोना :- (गहरी नींद में होना) इतना परिश्रम करने से वह थककर घोड़े बेचकर सो गया है।

89. दर-दर फिरना :- (हर जगह भटकना) इतना पढ़ा लिखा होने के बाद भी अभी तक वह नौकरी के लिए दर-दर भटक रहा है।

90. दम भरना :- (बड़ी-बड़ी बातें करना) वैसे तो राधा सबके सामने अच्छी लड़की होने का दम भरती है परन्तु कल उसने सबके सामने अपने पिता की बात मानने से इनकार कर दिया।

91. दाँत कटी रोटी होना:- (गहरी मित्रता)- नेहा और माही की तो आपस में दांत कटी रोटी है।

स्पर्श भाग-1 से मुहावरे

धूल

1. आँखें चकाचौंध होना (आश्चर्यचकित होकर आँखें फैल जाना)- लालाजी की तिजोरी में रखा धन देखकर गोपाल की आँखें चकाचौंध हो गई।

2. चारों खाने चित्त होना (धराशाई हो जाना)- भारत ने युद्ध के मैदान में पाकिस्तानी सेना को चारों खाने चित्त कर दिया।

3. कलम तोड़ देना (लिखने की ऐसी योग्यता या शक्ति दिखाना कि लोग दंग रह जाएँ)- रामचरितमानस लिखते हुए अनेक भारतीय कवियों ने अपनी कलम तोड़ दी परन्तु फिर भी कोई तुलसीदास की रचना की बराबरी नहीं कर पाए।

4. धूल चाटना (हार जाना)- राम ने रावण को युद्ध के मैदान में धूल चटा दी थी।

दुःख का अधिकार

1. जान देना (मर मिटना)- लोग धन पर अपनी जान देते हैं।

2. बरकत होना (वृद्धि होना/फलना)- ईमानदारी से कमाया धन सदैव बरकत देता है।

3. ठोकरें खाना (जीवन में अधिक कष्ट झेलना)- मैंने जीवन में बहुत ठोकरें खाईं हैं, तब जाकर कुछ हासिल किया है।

4. ईमान धर्म नहीं रहना (अच्छाई समाप्त हो जाना)- आजकल लोगों में ईमान धर्म नहीं बचा है।

5. पत्थर दिल होना (अत्यधिक कठोर होना)- राज बहुत ही पत्थर दिल व्यक्ति है।

6. द्रवित होना (पसीजना)- बच्चे को बुरी तरह से रोता हुआ देखकर माँ द्रवित हो गई।

एवरेस्टः मेरी शिखर यात्रा

1. चुनौतियों का सामना करना (कठिनाइयों का सामना करना)- कल्पना ने सदैव से ही चुनौतियों का सामना किया था।

2. जायज़ा लेना (जाँच करना)- पिताजी हर आधे घंटे में कमरे का जायज़ा लेने आते थे।

3. भौंचक्की होना (हैरान हो जाना)- प्रश्न-पत्र इतना कठिन था कि मैं भौंचक्की होकर देखती रह गई।

4. जोखिम लेना (खतरा उठाना)- बिना जोखिम उठाए मनुष्य सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है।

5. हक्का-बक्का रह जाना (आश्चर्यचकित होना)- पहाड़ों के सौंदर्य को देखकर में हक्का-बक्का रह गया।

6. भयभीत होना (डर जाना)- अंधेरे में पेड़ को देखकर मैं भयभीत हो गई।

6. साँस रुक जाना (हैरानी से चुप हो जाना)- सर्कस में जोकर की कलाबाज़ी देखकर सबकी साँसें रुक गई।

तुम कब जाओगे, अतिथि

1. मिट्टी खोदना (तबाह करना)- तुमने मेरी मिट्टी खोदने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी।

2. काँप जाना (डर जाना)- अपने पैर के सामने साँप को देखकर में काँप गया।

3. आँखें बड़ी हो जाना (हैरान हो जाना)- छोटे बच्चे की कलाबाज़ियाँ देखकर सबकी आँखें बड़ी हो गई।

वैज्ञानिक चेतना के वाहक चंद्रशेखर वेंकट रामन्

1. हठयोग करना (जिद करना)- रेवा आज जिस सफलता के शिखर पर खड़ी है, यह उसके हठयोग का परिणाम है।

2. कड़ी मेहनत करना (अत्यधिक परिश्रम करना)- रघु की कड़ी मेहनत ने उसे सफलतम व्यक्तियों की पंक्तियों में ला खड़ा किया है।

3. परते खोलना (छिपा हुआ भेद खोलना)- राहुल जब देखो दूसरों की परते खोलने में लगा रहता है।

4. झड़ी लगाना (बरसात होना)- स्नेहा के साहसिक कार्य के कारण उसके पास पुरस्कारों की झड़ी-सी लग गई है।

5. परहेज़ करना (दूर रहना)- हमें गंदे कामों से सदा परहेज़ करना चाहिए।

6. समर्पित होना (न्योछावर करना)- सिपाही अपना जीवन देश की सुरक्षा पर समर्पित कर देते हैं।

कीचड़ का काव्य

1. कीचड़ में पैर डालना (गंदगी में जाना)- रमा वैश्याओं के उत्थान के लिए उनकी बस्ती में जाता है। भला ऐसा कौन है, जो जानते-बुझते कीचड़ में पैर डाले।

2. कीचड़ उड़ाना (मिथ्या आरोप लगाना)- लगाने वालों ने तो गांधीजी पर भी कीचड़ उड़ाया था परन्तु इससे उनकी छवि कभी धूमिल नहीं हुई।

धर्म की आड़

1. उबल पड़ना (क्रोधित करना)- अत्याचारी लाला को देखते ही लोग उबल पड़ते हैं।

2. प्राणों की बाजी खेलना (प्राणों को संकट में डालना)- वीर लोग प्राणों की बाजी खेलने से घबराते नहीं हैं।

3. बुद्धि पर परदा पड़ना (सही गलत का भान न होना)- महेश ने अपने लिए स्वयं इतनी कठिनाइयाँ खड़ी की हैं। जब बुद्धि पर परदा पड़ता है, तो ऐसे ही होता है।

4. पाप का फल भोगना (किए की सजा मिलना)- रावण ने अपने पाप का फल भोगा था, जो उसके सम्मुख उसका पूरा वंश ही समाप्त हो गया।

5. कीचड़ उछालना (दोष लगाना)- दूसरों पर कीचड़ उछालना अच्छी बात नहीं होती है।

6. वश में करना (अपने नियंत्रण में करना)- काल ने रावण को अपने वश में कर लिया था।

7. लकीर पीटते रहना (किए पर रोना/पछताना)- आलसी लोग समय निकल जाने पर लकीर पीटते रह जाते हैं।

शुक्रतारे के समान

1. कहर बरसाना (अत्याचार करना)- अंग्रेज़ों ने भारतीय जनता पर बहुत कहर बरसाया था।

2. आँखों में तेल डालना (पैनी नज़र रखना)- अंग्रेज़ आँखों में तेल डालकर स्वतंत्रता सेनानियों के पीछे पड़े थे।

3. आड़े हाथों लेना (किसी को अच्छा सबक सिखाना)- जनता ने इस बार वोट न देकर सभी नेताओं को आड़े हाथों लिया।

4. लाड़ला बनना (सबका दुलारा बनना)- गांधीजी सबके लाड़ले बापू थे।

5. स्याह को सफ़ेद और सफ़ेद को स्याह करना (सच को झूठ और झूठ को सच बनाना)- वकालत के पेशे में स्याह को सफ़ेद और सफ़ेद को स्याह करना आम बात है।

6. लंबी साँस-उलाँस लेना (आह भरना)- सुष्मिता सेन को देखकर सभी युवतियाँ लंबी साँस-उलाँस भर रही थीं।

7. मंत्रमुग्ध करना (मोहित कर देना)- वीणा की मधुर आवाज़ ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया था।

8. दाँतों तले अँगुली दबाना (सबको हैरत में डाल देना)- दो साल के बच्चे से गीता के श्लोक सुनकर अच्छे-अच्छों ने दाँतों तले अँगुली दबा दी।

9. ठूँस-ठूँसकर भरना (अच्छी तरह भरना)- अपने दिमाग में इस पते को ठूँस-ठूँसकर कर भर लो।

10. रात और दिन एक करना (अत्यधिक परिश्रम करना)- कमला ने अपना घर बनाने के लिए रात और दिन एक कर दिया था।

11. अकाल मृत्यु होना (निश्चित समय से पूर्व किसी की मृत्यु होना)- पड़ोसवाली माताजी के एकमात्र पुत्र की अकाल मृत्यु हो गई।

संचयन भाग-1 से मुहावरे

गिल्लू

1. बाधा आना (रुकावट आना)- हमारे काम में लालाजी सदैव बाधा उत्पन्न करते हैं।

2. विस्मित होना (आश्चर्यचकित होना)- मीना के इस तरह के व्यवहार से मैं विस्मित हो गई हूँ।

3. मरणासन्न होना (मरने के समान होना)- रावण अपने मृत बंधु-बांधवों के साथ युद्धभूमि में मरणासन पड़ा हुआ था।

4. संतोष देना (सुख देना)- राम को बेर खाता देखकर शबरी को अपार संतोष हुआ।

स्मृति

1. सहमा जाना (डर जाना)- विमाता को देखकर रीमा सहम जाती थी।

2. चकित होना (हैरान हो जाना)- विमला मुझे सदैव चकित कर देती है।

3. कहकहे लगाना (आनंद में हँसना)- प्रकाश सदैव दूसरों के दुख पर कहकहे लगाता हुआ नज़र आता है।

4. बिजली गिरना (भयंकर मुसीबत आना)- बैग को अपनी जगह पर नहीं देखकर मानो मेरे सिर पर बिजली गिर पड़ी।

5. अक्ल चकरा जाना (कुछ सुझाई नहीं देना)- परीक्षा पत्र देखकर राम की अक्ल चकरा गई।

6. आँखें चार होना (आँखें मिलना)- राघव के विवाह के उपलक्ष्य पर राम की स्नेहा से आँखें चार हो गई।

7. कायल होना (प्रशंसक होना)- मैं रोहन के गुणों का कायल हो चुका हूँ।

8. धक्का लगना (आघात पहुँचना)- माँ की अप्रत्यशित मृत्यु से मोहन को गहरा धक्का लगा।

कल्लू कुम्हार की उनाकोटी

1. खलल पड़ना (बाधा पड़ना)- मियाँ तुम जब आते हो हमारे आराम में खलल डालने ही आते हो।

2. रंग चढ़ना (किसी से प्रभावित होना)- मन्नू पर अपनी अध्यापिका का रंग चढ़ चुका है।

3. धुन का पक्का होना (कार्य के प्रति समर्पित होना)- गोविंद अपनी धुन का पक्का है।

4. कहर बरपाना (प्रकोप होना)- इस साल गर्मी ने मार्च के महीने से ही अपना कहर बरपाना आरंभ कर दिया है।

मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय

1. हिम्मत नहीं हारना (साहस नहीं छोड़ना)- मुसीबत के समय मैंने हिम्मत नहीं हारी और अडिग रहा परिणाम यह हुआ कि आज में सफलता के शिखर पर विराजमान हूँ।

2. जी-तोड़ परिश्रम करना (अत्यधिक मेहनत करना)- राम का जीत-तोड़ परिश्रम देखकर सब दंग रह जाते हैं।

3. मन मारना (इच्छा दबाना)- घर के बुरे हालात देखकर मीना हमेशा अपना मन मार देती है।

4. चक्कर लगाना (घूमना)- कुछ अंजान व्यक्ति घर के आसपास चक्कर लगाते देखे गए हैं।

5. सनक सवार होना (धुन सवार होना)- बंटी के सर पर एक बार सनक सवार हो गई, तो वह उसे पूरा किए बिना नहीं छोड़ता।

6. मन में कसक उठना (पुराना दर्द उठना)- दिवंगत पुत्र की याद रह-रहकर मन में कसक बनकर उठती है।

हामिद खाँ

1. घूर-घूरकर देखना (प्रश्नवाचक दृष्टि से देखते रहना)- रमाशंकर की घूर-घूरकर देखने की आदत बहुत गंदी है।

2. जहान भुलाना (सुध-बुध खो जाना)- तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना करने में जहान को भुला दिया।

3. मेहमाननवाज़ी करना (अतिथि सत्कार करना)- आपकी मेहमाननवाज़ी का जवाब नहीं।

दिये जल उठे

1. लूट मचाना (अंधेर मचाना)- आज के नेताओं ने देश में लूट मचा कर रखी है।

2. आँखें खोलना (सत्य नज़र आना)- भईया ने आज मेरी आँखें खोल दी।

3. खुली चुनौती देना (ललकारना)- क्रिकेट के मैच में आस्ट्रेलिया ने भारत को खुली चुनौती दी थी।

4. मेला लगाना (भीड़ लगाना)- तुम सब ने यहाँ किसी बात पर मेला लगाया हुआ है।

5. कूच करना (प्रस्थान करना)- आज हम सब मिलकर रामलीला मैदान के लिए कूच करेंगे।

क्षितिज भाग-1 से मुहावरे

दो बैलों की कथा

1. जी तोड़ काम करना (अत्यधिक मेहनत करना)- मोहन आज सफलता के शिखर पर विद्यमान है, तो वह उसके जी तोड़ काम का परिणाम है।

2. ईंट का जवाब पत्थर से देना (दुष्ट को उत्तर दुष्टता से देना)- भारतीयों ने युद्ध के मैदान में विरोधी देश को ईंट का जवाब पत्थर से दिया।

3. दाँतों पसीना आना (अत्यधिक श्रम करना)- पापा को इस घर को बनाने में दाँतों पसीना आ गया था।

4. दिल भारी होना (दुखी होना)- आंतकवादी हमले का सुनकर मेरा दिल भारी हो जाता है।

5. गद्गद होना (प्रसन्न होना)- बेटे की सफलता देखकर पिता का दिल गद्गद हो गया।

6. जल उठना (क्रोध आना)- कमला को खाली आता देखकर उसकी विमाता जल उठी।

7. बरकत होना (वृद्धि होना)- बेटी के जन्म के बाद लालाजी के घर में बरकत होने लगी थी।

8. नौ दो ग्यारह होना (तेज़ी से भाग जाना)- पुलिस की गाड़ी को आता देखकर जेबकतरे बस से नौ दो ग्यारह हो गए।

9. टकटकी लगाना (निसंकोच देखना)- पड़ोस की चाची जब देखो हमारे घर में टकटकी लगाकर देखती रहती है।

10. ज्वाला दहकना (क्रोध भड़काना)- लालाजी के बुरे व्यवहार के कारण किसानों के ह्दय में ज्वाला दहक उठी।

11. जान से हाथ धोना (मृत्यु को प्राप्त होना)- तुम यदि एक पल पहले आए होते, तो शायद अपनी जान से हाथ धो बैठते।

12. बोटी-बोटी काँपना (अत्यधिक डर जाना)- जंगल में लुटेरों को देखकर अकेले रमा की बोटी-बोटी काँप उठी।

ल्हासा की ओर

1. होश-हवास दुरुस्त होना (सुध-बुध ठीक होना)- इस घटना से तुम्हारे होश-हवास दुरुस्त हो गए होगें।

2. मुँह लाल होना (मारे क्रोध के चेहरा तमतमाना)- आलसी विक्रम को देखकर माँ का मुँह लाल हो गया।

उपभोक्तावाद की संस्कृति

1. जी तोड़ कोशिश करना (कड़ी मेहनत करना)- पढ़ाई करने के लिए श्याम ने जी तोड़ कोशिश की थी।

2. हावी होना (प्रभाव होना)- चुनावों के समय कांग्रेस, बी.जे.पी. पर हावी हो गई थी।

3. आसमान छूना (सफलता का चरम)- आजकल सोने के दाम आसमान छू रहे हैं।

4. नींव हिलाना (प्रभाव को समाप्त करना)- 1857 के विद्रोह ने अंग्रेज़ों की नींव हिलाकर रख दी थी।

5. चुनौती देना (ललकारना)- श्रीराम ने रावण की दी चुनौती को स्वीकार कर युद्ध किया।

साँवले सपनों की याद

1. कायल होना (प्रभावित होना)- अभिताभ बच्चन के अभिनय के सभी कायल हैं।

2. आँखें नम होना (भर आना)- भगतसिंह की याद में आज भी भारतीयों की आँखें नम हो जाती है।

3. नींव रखना (शुरूआत करना)- दस साल पहले हमने अपनी कंपनी की नींव रखी थी।

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

1. होश उड़ना (सुध-बुध खोना)- बैंक में डकैतों को देखकर सबके होश उड़ गए।

2. मोहित होना (आकर्षित होना)- अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या को देखकर मोहित हो गए थे।

3. निडर होना (भय रहित होना)- नाना साहब की पुत्री जनरल के सामने निडर होकर बोली।

प्रेमचंद के फटे जूते

1. ठोकर मारना (लात मारना)- ईमानदार लोग पाप की कमाई को ठोकर मार देते हैं।

2. न्योछावर होना (स्वयं का बलिदान करना)- संतान के सुख के लिए माता-पिता न्योछावर हो जाते हैं।

3. कुर्बान होना (स्वयं का बलिदान देना)- सैनिक हँसते-हँसते देश पर कुर्बान हो जाते हैं।

4. हौसले पस्त करना (विश्वास हिलाना)- भईया ने सुमद्री यात्रा के भयानक किस्से सुनाकर हमारे हौसले पस्त कर दिए।

5. चक्कर काटना (इधर-उधर घूमते रहना)- कल आपके घर के सामने मैंने कुछ अजनबी लोगों को चक्कर काटते हुए देखा था।

मेरे बचपन के दिन

1. परमधाम को जाना (मृत्यु को प्राप्त होना/भगवान के घर जाना)- नेताजी अकस्मात हमें छोड़कर परमधाम को चले गए।

2. प्रतिष्ठित होना (स्थापित होना/जम जाना)- सुभद्रा कुमारी, महादेवी वर्मा से बहुत पहले प्रतिष्ठित हो चुकी थीं।

3. मन ही मन प्रसन्न होना (अपनी खुशी को व्यक्त नहीं करना)- अपनी प्रशंसा सुनकर में मन ही मन प्रसन्न होती थी।

एक कुत्ता और एक मैना

1. आँखें मूँदना (अनिश्चिता का भाव/मृत्यु को प्राप्त होना/उपेक्षा का भाव)- पुलिस शहर में बढ़ रहे अपराधों की ओर आँखें मूँदी बैठी है।

2. अंबार लगाना (ढेर लगाना)- सचिन ने इस बार खेलते हुए चौक्कों का अंबार लगा दिया।

3. मुँह फेरना (उपेक्षा करना)- गलत होते हुए देखकर भी मुँह फेरना अच्छी बात नहीं है।

4. गाँठ पड़ना (मन में द्वेष होना)- आज के युग में पति-पत्नी रिश्तों के बीच अधिकतर शक के कारण गाँठ पड़ जाती है।

5. जलती आँख (अत्यधिक क्रोधित होना)- कोर्ट में चोर अपने विरूद्ध गवाही देने वाले लोगों को जलती आँखों से देखकर रहा था।

कृतिका भाग-1 से मुहावरे

इस जल प्रलय में

1. अनुनय करना (विनती का भाव)- राधा, कृष्ण से द्वारिका नहीं जाने का अनुनय करने लगी।

2. दिल दहला देना (बुरी तरह डर जाना)- कन्या भ्रूण की तेज़ी से हो रही हत्या से संबंधित आँकड़े दिल दहला देते हैं।

3. कलेजा धड़कना (घबराहट होना)- बाढ़ के पानी को तेज़ी से आता देखकर मेरा कलेजा धड़क उठा।

4. आंतकित होना (डर जाना)- गाँव में आदमखोर शेर के कारण सभी लोग आंतकित हो गए थे।

5. कान लगाना (चोरी से बातें सुनना)- पड़ोसी हमारी बातों को कान लगाकर सुनते रहते हैं।

6. छूमंतर होना (गायब हो जाना)- लड़का देखते ही देखते मेरा पर्स लेकर छूमंतर हो गया।

7. दैवी चमत्कार (अद्‌भुत घटना)- पाँचवीं मंजिल से गिरकर जिंदा बच निकलना एक दैवी चमत्कार से कम नहीं था।

8. आँखें मलना (हैरान रह जाना)- बिल्ली के मुँह से बंदर रोटी ले भागा और वह आँखें मलती रह गई।

मेरे संग की औरतें

1. मुँहज़ोर होना (कहीं भी कुछ भी बोल देना)- बिगड़ी परिस्थितियों ने मूक विमला को भी मुँहज़ोर बना दिया था।

2. दंग-हैरान होना (आश्चर्यचकित होना)- शैलेन्द्र, एक सफाई कर्मचारी का अंग्रेज़ी में भाषण सुनकर दंग रह गया।

3. हैरतअंगेज़ (आश्चर्यचकित)- जेल से दो कैदियों के भागने का तरीका हैरतअंगेज़ था।

4. दबदबा होना (प्रभाव होना)- शांता प्रसाद जी का पूरे शहर में दबदबा है।

5. सिरफिरा होना (सनकी होना)- देशभक्त सिरफिरे हुआ करते हैं।

6. ऐलान करना (घोषणा करना)- नीता ने ऐलान कर दिया कि वह अंग्रेज़ी कभी नहीं बोलेगी।

7. मुँह खुले रह जाना (हैरान हो जाना)- बच्चों द्वारा आयोजित कार्यक्रम को देखकर लोगों के मुँह खुले रह गए।

8. सेंध लगाना (घुसपैठ करना)- चोर लालाजी की तिजौरी में सेंध लगा गए।

9. धर दबोचा (पकड़ लेना)- पुलिस ने चोरों को चोरी करते हुए धर दबोचा।

10. अकबकाना (घबरा जाना)- माँ को अचानक आया देखकर गोपी अकबका गया।

11. दबे पाँव आना (चुपचाप आना)- चोर घर में दबे पाँव आ रहा था परन्तु फिर भी पकड़ा गया।

12. चुनौती देना (ललकारना)- अन्ना ने सरकार को चुनौती दी थी कि वह भ्रष्टाचार को हटाकर रहेंगे।

13. हथियार डालना (हार मानना)- आंतकवादियों ने भारतीय फौज़ों के आगे हथियार डाल दिए।

14. सिर झूकाना (आदरपूर्वक झूकना/लज्जावश झूकना)- महात्मा गांधीजी की प्रतिमा देखकर मेरा सिर झुक जाता है।

15. दंग रह जाना (आश्चर्यचकित होना)- आलसी गोलू का परीक्षा परिणाम सुनकर सब दंग रह गए।

रीढ़ की हड्डी

1. भीगी बिल्ली होना (डर जाना)- भूत की कहानी सुनकर रमा भीगी बिल्ली बन गई।

2. मुँह फुलाना (नाराज़ होना)- पापा के डांटने पर रोमा सुबह से मुँह फुलाए बैठी है।

3. सिर चढ़ाना (अत्यधिक प्रेम करना)- गोविंद माता-पिता का इकलौता पुत्र होने के कारण बहुत ही सिर चढ़ा है।

4. बाज़ आना (कान पकड़ना/तौबा करना)- मैं तो इस काम को दुबारा करने से बाज़ आई। जब से आया है, तब से परेशान हूँ।

5. उगल देना (निकाल देना/बोल देना)- मोहन को कुछ भी बताना बेकार है। सारी बातें पिताजी के आगे उगल देता है।

6. हज़म करना (पचा जाना)- लाला जी गरीब अम्मा का सारा पैसा हज़म कर गए।

7. भनक पड़ना (सुनाई पड़ना)- मुझे इस चोरी की पहले ही भनक पड़ गई थी।

8. आँखें गाड़ना (बिना पलक झपकाए देखना)- मास्टर जी अपने साथ हुई शैतानी का पता लगाने के लिए विद्यार्थियों को आँखें गाड़कर देख रहे थे।

9. मुँह खोलना (बोलना)- हम कब से तुम्हारे उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं, अब तो मुँह खोलो।

10. ताक-झाँक करना (इधर-उधर देखना)- दूसरों के घरों में ताक-झाँक करना उचित नहीं है।

11. मुँह छिपाकर भागना (चुपचाप चले जाना)- चोरी पकड़े जाने पर रामस्वरूप मुँह छिपाए फिर रहे हैं।

माटीवाली

1. दिमाग चकराना (कुछ समझ नहीं आना)- राम की बीमारी का सुनकर माँ का दिमाग चकरा गया।

2. चेहरा खिल उठना (प्रसन्नता का भाव मुख पर आना)- गुल को विद्यालय से आता देखकर माँ का चेहरा खिल उठा।

किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया

1. आँखें थकना (अत्यधिक श्रम करना)- रातभर काम करते-करते मेरी आँखें थक गई हैं।

2. महारत होना (किसी विषय में विद्वान होना)- मुझे हर कार्य में महारत हासिल हैं।

3. मुँह खोलना (कुछ नहीं बोलना)- हमें बड़ों के आगे कभी मुँह नहीं खोलना चाहिए।

4. बात का धनी (वचन का पक्का होना)- राम बात के धनी थे। एक बार यदि कुछ कह दें, तो मुकरते नहीं थे।

5. दिल में बैठना (कोई बात तय कर लेना)- नौकरी नहीं करने वाली बात बचपन से ही मेरे दिल में बैठ गई थी।

लोकोक्तियाँ

बहुत अधिक प्रचलित और लोगों के मुँहचढ़े वाक्य लोकोक्ति के तौर पर जाने जाते हैं। इन वाक्यों में जनता के अनुभवों का सार होता है।

1. अंत भला तो सब भला :- अच्छे काम का अंत अच्छा होता है।

2. अपनी-अपनी ढ़पली, अपना-अपना राग :- (प्रत्येक की अपनी अलग-अलग विचार होना) इस घर में कोई किसी की नहीं सुनता सबकी अपनी-अपनी ढ़पली, अपना-अपना राग है।

3. अंधो में काना राजा :- (मूर्खों में थोड़ा पढ़ालिखा भी विद्वान माना जाता है) इन सब कम पढ़े लिखे लोगों से तो तुम ठीक हो - अंधो में काना राजा होता है।

4. अंधा क्या चाहे दो आँखे :- (इच्छित वस्तु का मिलना) शोभा को नौकरी की तलाश थी तभी अचानक उसे स्कूल में नौकरी मिल गई - अंधा क्या चाहे दो आँखे।

5. अघजल गगरी छलकत जाए :- (कम ज्ञान वाले व्यक्ति अधिक दिखावा करते हैं) उसे पढ़ना लिखना अधिक नहीं आता है परन्तु अधिक पढ़ा-लिखा होने का दिखावा करता है - अघजल गगरी छलकत जाए।

6. अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत :- (बीत जाने पर पछताने से क्या फायदा) जब इम्तिहान का समय था तब तुमने पढ़ाई नहीं की और इम्तिहान के बीत जाने के बाद चिंता हो रही है, अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

7. आँख का अंधा नाम नैन सुख :- (नाम के जैसा काम नहीं) उसका नाम शांति है पर हमेशा लड़ती झगड़ती रहती है - आँख का अंधा नाम नैन सुख।

8. आ बैल मुझे मार :- (जान बूझकर विपत्ति मोल लेना) पहले तो युद्ध में उसे खुद बुलाया और अब डर लग रहा है, यह तो वही बात हो गई आ बैल मुझे मार।

9. आगे कुआँ पीछे खाई :- (सभी तरफ़ विपत्ति का होना) तुम्हारी बात मानता हूँ तो उससे मार खानी पड़ेगी और अगर उसकी बात मानुगाँ तो तुम मुझे नहीं छोड़ोगे। मेरे आगे कुआँ है और पीछे खाई है।

10. आग लगने पर कुआँ खोदना :- (मुसीबत आ जाने के बाद उपाय ढूंढ़ना) पहले तो तुम खेलते रहे और अब जब परीक्षा का समय नज़दीक आ गया है तब तैयारी करने चले हो, आग लगने पर कुआँ खोद रहे हो।

11. अंधेरे घर का उजाला :- (घर का अकेला लाड़ला) राहुल अपने माँ बाप के अंधेरे घर का उजाला है।

12. ओखली में सिर दिया है तो मूसलों से क्या डर :- (कठिन काम शुरू करने के बाद मुसीबतों से डर नहीं लगता) इतने बड़े गुंण्डे को जब सजा दिलवाने की ठान ही ली है तो कष्टों से क्यों घबरा रहे हो।

13. अपना उल्लू सीधा करना :- (अपना स्वार्थ सिद्ध करना) रोहित हमेशा अपना उल्लू सीधा करने में लगा रहता है।

14. कंगाली में आटा गीला :- (एक कष्ट पर दूसरा कष्ट) एक तो परीक्षा में बैठने नहीं दिया गया ऊपर से स्कूल से निकाल दिया गया कंगाली में आटा गीला।

15. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे :- (दोषी व्यक्ति का निर्दोष को डाँटना) मैं तुमसे अपने पैसे माँग रहा हूँ और तुम मूझी को डाँट रहे हो - उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

16. खोदा पहाड़ निकली चुहिया :- (अधिक परिश्रम करने पर कम फल मिलना) इतना मेहनत करने पर भी परीक्षा में नम्बर कम आए - खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

17. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली :- (दो व्यक्तियों की प्रतिष्ठा में अंतर) तुम कुछ भी कर लो मुझ जैसा बिल्कुल भी नहीं बन सकते – कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली।

18. न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी :- (मुसीबत के कारण को ही नष्ट कर देना) दोनों परिवारों में इस दीवार को लेकर लड़ाइयाँ हो रही है तो इस दीवार को ही तोड़ दो - न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी।

19. एक पंथ दो काज :- (एक ही काम से दो लाभ) अपने दोस्त से मिलने गया था। वहीं पर उनसे अपने व्यवसाय के लिए कुछ रूपए भी ले लिया – एक पंथ दो काज हो गए।

20. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद :- (अयोग्य को किसी मुल्यवान वस्तु की पहचान नहीं होती) तुम्हें नहीं पता यह घड़ी कितनी कीमती है। इसीलिए इसे गंदा कह रहे हो - बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।

21. घर की मुर्गी दाल बराबर :- (अपनी चीज़ की कोई कद्र नहीं होती) तुम्हारी बड़ी बहन खुद इतनी पढ़ी-लिखी है और तुम पढ़ने के लिए किसी और के पास जाते हो। यह तो वही बात हो गई - घर की मुर्गी दाल बराबर।

22. दाल-भात में मूसरचंद :- (हर बात में टांग अड़ाने वाला) हम दोनों आपस में पढ़ाई के विषय पर बात-चीत कर रहे थे कि उसी समय शीला दाल-भात में मूसरचंद जैसी आ गई।

23. साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे :- (काम भी हो जाए और कोई हानि भी न हो) अपने दुश्मन को सज़ा देने का कोई ऐसा उपाए सोचो जिससे साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।